A

Booklet Series **A**

Code : TG-02

Question Booklet No.
प्रश्न पुस्तिका संख्या
9017661

परीक्षा केन्द्र की मुहर लगायें
Affix stamp of examination centre

संस्कृत
SANSKRIT

अनुक्रमांक (अंकों में)
Roll No. (in figures)

(केवल अंग्रेजी में/Only in English)

OMR क्रम संख्या (अंकों में)
OMR Serial No. (in figures)

(केवल अंग्रेजी में/Only in English)

SEAL

OMR क्रम संख्या (शब्दों में)
OMR Serial No. (in words) .....

.....

केन्द्र का नाम/Name of the Centre .....

समय : 2 घंटे Time : 2 Hours

पूर्णांक : 425 M.M. : 425

कक्ष-निरीक्षक का हस्ताक्षर / Signature of the Invigilator

आवश्यक निर्देश

1. अभ्यर्थी अपना अनुक्रमांक केवल आवरण पृष्ठ तथा प्रश्न-पुस्तिका के साथ दिए गए उत्तर-पत्रक के निर्दिष्ट स्थान पर लिखेंगे, अन्यत्र कहीं नहीं ।
2. प्रश्न-पुस्तिका मिलने के उपरान्त अभ्यर्थी को तुरन्त जाँच कर सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि पुस्तिका में पूरे पृष्ठ हैं तथा कोई प्रश्न छूट तो नहीं गया है । यदि कोई विसंगति है, तो प्रश्न-पुस्तिका मिलने के 10 मिनट के भीतर ही कक्ष-निरीक्षक को सूचित करना चाहिए तथा त्रुटिरहित दूसरी पुस्तिका प्राप्त कर लेनी चाहिए ।

*

IMPORTANT INSTRUCTIONS

1. The candidate will write his/her Roll No. only at the place provided for i.e. on the cover page and on answer sheet given and nowhere else.
2. Immediately on the receipt of the question booklet, the candidate will check up and ensure that it contains all the pages and that no question is missing. If there is any discrepancy, it should be reported by the candidate to the invigilator within 10 minutes of issue of this question booklet and a fresh booklet without any discrepancy be obtained.

संस्कृत
SANSKRIT

1. ''प्रयाग भारत का प्रमुख धार्मिक नगर है ।'' इस वाक्य का शुद्ध अनुवाद है
   (A) प्रयागः भारतस्य प्रमुखः धार्मिक नगरः अस्ति ।
   (B) प्रयागः भारते प्रमुखः धार्मिक नगरं सन्ति ।
   (C) प्रयागः भारतस्य प्रमुखं धार्मिकनगरं सन्ति ।
   (D) प्रयागः भारतस्य प्रमुखं धार्मिकनगरम् अस्ति ।

2. किरातार्जुनीय के प्रथम सर्ग में प्रयुक्त छन्द हैं
   (A) अनुष्टुप् आर्या शिखरिणी
   (B) वंशस्थ, पुष्पिताग्रा मालिनी
   (C) वंशस्थ (केवल)
   (D) मन्द्राक्रान्ता वंशस्थ, मालिनी

3. ''शमेन सिद्धिं मुनयो न भूभृतः'' किरातार्जुनीय में यह वाक्य कहा गया है
   (A) युधिष्ठिर द्वारा
   (B) द्रौपदी द्वारा
   (C) वनेचर द्वारा
   (D) सुयोधन द्वारा

4. किरातार्जुनीय में ''सपत्नेन'' पद किस अर्थ में प्रयुक्त हुआ है ?
   (A) शत्रु के द्वारा
   (B) सौत के द्वारा
   (C) सखा के द्वारा
   (D) पालक के द्वारा

5. ''राज्यविषविकारतन्द्राप्रदा राज्यलक्ष्मीः'' सूक्ति उद्धृत है
   (A) उत्तररामचरित से
   (B) नीतिशतक से
   (C) वैराग्यशतक से
   (D) शुकनासोपदेश से

6. कालिदास ने ''वक्रः पन्थां'' किस के लिए प्रयुक्त किया है ?
   (A) विदिशा नगर के लिए
   (B) दशार्ण देश के लिए
   (C) उज्जयिनी नगर के लिए
   (D) अलकापुरी के लिए

7. ''सम्पत्सु महतां चित्तं भवत्युत्पलकोमलम्'' यह सूक्ति कहां से ली गयी है ?
   (A) किरातार्जुनीय
   (B) अभिज्ञान शाकुन्तल
   (C) शिशुपाल वध
   (D) नीतिशतक

8. "कोऽन्यो हुतवहात् प्रभवति दग्धुम्" यह वाक्य अभिज्ञान शाकुन्तल में कहा है
   (A) अनसूया (B) प्रियंवदा
   (C) कण्वशिष्यः (D) दुर्वासा

9. ''तेन पाठः पठ्यते'' प्रयोग है
   (A) भाव वाच्य का
   (B) कर्तृ वाच्य का
   (C) कर्म वाच्य का
   (D) इनमें से कोई नहीं

10. "अष्टाशीतिः" शब्द का हिन्दी भाषा में शब्द बनता है
   (A) अट्ठाइस (B) अट्ठासी
   (C) अडसठ (D) अट्ठानवे

11. युष्मद् शब्द के चतुर्थी विभक्ति, एकवचन का रूप है

(A) तुभ्यम्

(B) त्वाम्

(C) त्वया

(D) त्वयि

12. सर्व शब्द का स्त्रीलिङ्ग, सप्तमी, एकवचन में रूप बनता है

(A) सर्वस्मिन्

(B) सर्वस्याम्

(C) सर्वासु

(D) सर्वे

13. अम्बिकादत्तव्यास के पिता का नाम था

(A) देवदत्त

(B) राजाराम

(C) दुर्गादत्त

(D) प्रयागदत्त

14. "विद्युत्वन्तं ललितवनिता:" यह पंक्ति सम्बद्ध है

(A) चम्पू काव्य से

(B) गीति काव्य से

(C) मुक्तक काव्य से

(D) महाकाव्य से

15. "तन्वी श्यामा शिखरीदशना पक्वविम्बाधरोष्ठी" इसमें विशेषण प्रयुक्त हुए हैं

(A) शकुन्तला के लिए

(B) यक्षिणी के लिए

(C) कादम्बरी के लिए

(D) सीता के लिए

16. "त्वं जीवितं त्वमसि में हृदयम्" यह उक्ति है

(A) जानकी

(B) मेनका

(C) वासन्ती

(D) प्रियम्वदा

17. व्याकरण में कर्म का मुख्य लक्षण क्या कहा गया है?

(A) तथायुक्तं चानीप्सितम्

(B) अकथितञ्च

(C) कर्तुरीप्सिततमं कर्म

(D) हृक्रोरन्यतरस्याम्

18. निम्नलिखित में से 89 का संस्कृत में शुद्ध शब्द होगा

(A) नवाशीति:

(B) एकोननवति:

(C) अननवति:

(D) उपर्युक्त तीनों

19. ग्रीष्म+ऋतु में सन्धि करने पर रूप बनेगा

(A) ग्रीष्मर्तु:

(B) ग्रीष्मर्त:

(C) ग्रीष्मरतौ

(D) ग्रीष्मऋतौ

20. लता शब्दरूप में 'लते' इस शब्द की आवृत्ति हुई है

(A) तीन बार (B) चार बार
(C) पांच बार (D) छः बार

21. लभेरन् पद का धातु, लकार, पुरुष, वचन आदि सही है वह है

(A) लभ् धातु, लट् लकार, प्रथम पुरुष बहुवचन
(B) लभ् धातु, विधिलिङ् लकार, प्रथम पुरुष बहुवचन
(C) लभ् धातु, लोट लकार, प्रथम पुरुष एकवचन
(D) लभ् धातु, लङ् लकार, मध्यम पुरुष द्विवचन

22. किरातार्जुनीय के प्रथम सर्ग में पद्यों की संख्या है

(A) 45 (B) 44
(C) 46 (D) 101

23. "बाणस्तु पञ्चानन:" यह सूक्ति किसने कही है ?

(A) चन्द्रदेव ने (B) मल्लिनाथ ने
(C) जयदेव ने (D) माघ ने

24. " क्रियासु युक्तैर्नृप" यहां नृप पद से सम्बोधित किया गया है

(A) भीमसेन को
(B) युधिष्ठिर को
(C) अर्जुन को
(D) भीष्म को

25. शास्त्रजल के प्रक्षालन से निर्मल बुद्धि भी कालुष्य को प्राप्त होती है

(A) यौवनारम्भ में
(B) वृद्धावस्था में
(C) शैशवावस्था में
(D) विद्यारम्भ में

26. उत्तररामचरित के तृतीयाङ्क में नाट्यसन्धि है

(A) मुख (B) प्रतिमुख
(C) विमर्श (D) गर्भ

27. "सवर्णलिङ्गी विदित: समाययौ" यहां "वर्णलिङ्गी" शब्द का अर्थ है

(A) नानावर्ण शबल
(B) ब्राह्मण
(C) ब्रह्मचारी
(D) दूत

28. "सखि आवां तावदुत्कण्ठां विनोदमिष्याव:" आयी हुई यह उक्ति किसने कही है ?

(A) अनसूया ने
(B) प्रियंवदा ने
(C) गौतमी ने
(D) शकुन्तला ने

29. यद्यपि पद का सन्धि विच्छेद है

(A) यदि + अपि
(B) यदी + अपि
(C) यद् + अपि
(D) यद्य + पि

30. भानु शब्दस्य प्रथमा विभक्तौ बहुवचने रूपं भवति

(A) भान्व:
(B) भानुव:
(C) भानव:
(D) भानूनि

31. ''तत्पुरुषः'' सूत्र है

(A) अधिकारसूत्र

(B) संज्ञासूत्र

(C) समास सूत्र

(D) निपात सूत्र

32. विद्वानों के समाज में पण्डितों का आभूषण है

(A) मौन

(B) वाचालता

(C) अज्ञताज्ञापन

(D) स्वातन्त्र्य

33. अधोलिखित में से कण्व ने कहा है

(A) भर्तुर्बहुमता भव

(B) शुश्रूषस्व गुरून्

(C) भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने

(D) अवेहि तनयां ब्रह्मन्नग्नि गर्भा शमीमिव

34. निम्नलिखित में से शुद्ध है

(A) कुमुदनी

(B) कुमुदिनी

(C) कुमूदनी

(D) कूमुदिनी

35. शुद्धं वाक्यं वर्तते

(A) वृकान् बिभेति

(B) वृकेन बिभेति

(C) वृकात् भेन्ति

(D) वृकात् बिभेति

36. "न हि प्रियं प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः" यह वचन कथित है

(A) वनेचर के द्वारा

(B) युधिष्ठिर के द्वारा

(C) दुर्योधन के द्वारा

(D) किरात के द्वारा

37. ''जीर्णमन्ने सुभाषितम्'' यहां सुभाषित किसके अन्न में अन्नस्थ हुआ ?

(A) विशाखदत्त के

(B) कालिदास के

(C) भर्तृहरि के

(D) भास के

38. ''कटे आस्ते'' में कटे पद कैसा आधार है ?

(A) वैषयिक

(B) अभिव्यापक

(C) औपश्लेषिक

(D) अव्यापक

39. निम्नाङ्कित विकल्पों में से ''सर्वे गुणाः _____ आश्रयन्ति'' में रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए शुद्ध शब्द है

(A) निधानम् (B) सौन्दर्यम्

(C) काञ्चनम् (D) पतनम्

40. अस्मद् शब्दस्य षष्ठी विभक्तौ एकवचने रूपं भवति

(A) तव

(B) मम

(C) नः

(D) इनमें से कोई नहीं

41. जब विद्वानों के पास बैठकर कुछ ज्ञान हुआ तो ज्ञात हुआ कि

(A) मैं पण्डित हूँ

(B) मैं मदान्ध हूँ

(C) मैं सर्वज्ञ हूँ

(D) मैं मूर्ख हूँ

42. देने के अर्थ में परस्मैपदी दा धातु का प्रथमपुरुष बहुवचन में रूप होगा

(A) ददाति (B) ददन्ति

(C) ददति (D) दन्ति

43. अभिज्ञान शाकुन्तल के चतुर्थ अङ्क में किस अर्थोपक्षेक का प्रयोग किया गया है ?

(A) विष्कम्भक का

(B) प्रवेशक का

(C) अङ्क का

(D) अङ्कावतार का

44. ''सहयुक्तेऽप्रधाने'' इस सूत्र का उदाहरण है

(A) सुग्रीव: राम: सह लक्ष्मणश्च

(B) सहोदरो गच्छति नगरम्

(C) रामेण सह गतवती सीता

(D) मम सह त्वं गच्छसि

45. ''दम्भोलि घटितेयं रसना या दारुणदानवोदन्तो-दीरणै: न दीर्य्यते'' यह पंक्ति उद्धृत है

(A) दशकुमारचरित से

(B) कादम्बरी से

(C) उत्तररामचरित से

(D) शिवराजविजय से

46. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य है

(A) पुत्र: मातरं स्मरति

(B) पुत्र: मात्रं स्मरति

(C) पुत्र: मातारं स्मरति

(D) पुत्र: मातु स्मरति

47. किरातार्जुनीय के आधार पर "चारचक्षु" कहा जाता है

(A) सूर्य को

(B) राजा को

(C) शिक्षक को

(D) उपर्युक्त सभी

48. चतु: + कपाल:, सन्धि करने पर शब्द बनेगा

(A) चतु: कपाल: (B) चतुर्कपाल:

(C) चतुष्कपाल: (D) चतुस्कपाल:

49. "प्रतीहारानुपकरण संभार संग्रहार्थमादिदेश" यहां उपकरण पद की व्युत्पत्ति है

(A) उप + कृ + घञ्

(B) उप + कृ + ल्युट

(C) उप + कृ + ण्वुल

(D) उप + कृ + तृच

50. ''जटाभिस्तापस:'' किस सूत्र से बनेगा ?

(A) हेतौ

(B) इत्थंभूतलक्षणे

(C) अपवर्गे तृतीया

(D) येनाङ्गविकार:

51. ''कृष्णसर्प:'' पद का समास विग्रह है

(A) कृष्णस्य सर्प:

(B) कृष्णाय सर्प:

(C) कृष्ण: सर्प:

(D) इनमें से कोई नहीं

52. ''सदानुकूलेषु हि कुर्वते रतिं
नृपेष्वमात्येषु च सर्व सम्पद:''
यह सूक्ति उद्धृत है

(A) किरातार्जुनीय से

(B) नैषधीयचरित से

(C) नीतिशतक से

(D) उत्तररामचरित से

53. ''रिक्त: सर्वो भवति हि लघु: पूर्णता गौरवाय'', इस कथन में गम्भीरता सूचक शब्द है

(A) सर्वो (B) पूर्णता

(C) गौरवाय (D) रिक्त:

54. निम्न में से सप्तमी विभक्ति नहीं है

(A) ग्रामे

(B) नगरे

(C) वने

(D) लते

55. ''सा तपस्विनी निर्वृता भवतु'' इस पंक्ति में सा किसके लिए प्रयुक्त है ?

(A) शकुन्तला के लिए

(B) गौतमी के लिए

(C) अनसूया के लिए

(D) प्रियंवदा के लिए

56. "वाराङ्गनेव नृपनीतिरनेकरूपा" यह सूक्ति है

(A) किरातार्जुनीय की

(B) मेघदूत की

(C) नीतिशतक की

(D) शुकनासोपदेश की

57. अभिज्ञान शाकुन्तल के चतुर्थ अङ्क के प्रारम्भ में आश्रम में कौनसा अतिथि प्रवेश करता है जिसकी उपेक्षा परिलक्षित होती है ?

(A) दुष्यन्त

(B) कण्व

(C) दुर्वासा

(D) विश्वामित्र

58. "वसूति वञ्छन्न वशी न मन्युना" यहां पर प्रयुक्त वसूति पद का अर्थ है

(A) धन (B) अष्टावसु

(C) नाग (D) अग्नि

59. तद् शब्द का पुल्लिङ्ग द्वितीया बहुवचन का रूप होगा

(A) तौ (B) तम्

(C) तेषाम् (D) तान्

60. ''अतिगहनं तमो यौवनप्रभवम्'' सूक्ति किससे सम्बद्ध है ?

(A) शुकनासोपदेश

(B) नलचम्पू

(C) वासवदत्ता

(D) दशकुमारचरित

61. ''वश्यवाणी चक्रवर्ती'' इस उपाधि से समलङ्कृत है

(A) बाणभट्ट

(B) भूषणभट्ट

(C) चित्रभानु

(D) अम्बिकादत्त व्यास

62. अदस् शब्द का नपुंसकलिङ्ग में रूप होगा

(A) अद: अमू अमूनि

(B) असौ अमू अमूनि

(C) असौ अमू अमी

(D) असौ अमू अमू:

63. " आ: अतिथि परिभाविनि" के कथनकार है

(A) काश्यप (B) दुर्वासा

(C) गौतम (D) विश्वामित्र

64. "चक्षुषे" पद में विभक्ति है

(A) सप्तमी

(B) पञ्चमी

(C) चतुर्थी

(D) इनमें से कोई नहीं

65. घ्नन्ति में धातु है

(A) हन्

(B) जनि

(C) तुद्

(D) तृ

66. किरातार्जुनीय में सुयोधन (दुर्योधन) के लिए प्रयुक्त पद है

(A) शुभ्र

(B) द्विप

(C) जिह्म

(D) भूति

67. " कश्चित् कान्ता विरह गुरुणा " इत्यादि श्लोक में मङ्गला चरण का प्रकार है

(A) आशीर्वादात्मक

(B) नमस्क्रियात्मक

(C) क्रियात्मक

(D) वस्तुनिर्देशात्मक

68. कादम्बरी नायिका है

(A) स्वकीया

(B) परकीया

(C) मानिनी

(D) इनमें से कोई नहीं

69. निम्नलिखित में से जो सामान्यत: अशुद्ध है

(A) राधा कृष्णेन सह वनं जगाम ।

(B) सुधा रामायणं पठितवती ।

(C) पिता पुत्रं प्रश्नं पृच्छति ।

(D) शोभा मोहनेन जलं याचयामा ।

70. अधोलिखित में से अशुद्ध पदयुग्म है

(A) चत्वारि पुष्पाणि

(B) चतस्र बालिका:

(C) त्रीणि पुत्रा:

(D) त्रयो बालका

71. ''किरातार्जुनीय'' का कथानक महाभारत के किस पर्व से लिया गया है ?

(A) आदिपर्व

(B) विराटपर्व

(C) वनपर्व

(D) शान्तिपर्व

72. ''शापेनास्तङ्गमित महिमा'' किसका विशेषण है ?
(A) मेघ
(B) यक्षिणी
(C) यक्ष
(D) मेघदूत

73. लक्ष्मी के द्वारा कालकूट ने क्या ग्रहण किया ?
(A) चञ्चलता
(B) मोहनशक्ति
(C) रागता
(D) वक्रता

74. ''नवयौवनोद्वतम्'' यह पद किरातार्जुनीय महाकाव्य में किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?
(A) वनेचर के लिए
(B) दुर्योधन के लिए
(C) भीम के लिए
(D) दु:शासन के लिए

75. ''स्मरीष्यति त्वां न स बोधितोऽपि सन् कथा प्रमत्त: प्रथमं कृतामिव'' यह पंक्ति किसने कही है ?
(A) दुष्यन्त ने
(B) कण्व ने
(C) शार्ङ्गरव ने
(D) दुर्वासा ने

76. उत्तररामचरित के तृतीयाङ्क में किस नदी का उल्लेख है ?
(A) कावेरी का
(B) कृष्णा का
(C) गोदावरी का
(D) यमुना का

77. दा धातु के लृट लकार, मध्यम पुरुष, एकवचन में रूप बनता है
(A) ददासि (B) दास्यन्ते
(C) दत्ते (D) दास्यसि

78. मुनि शब्द का षष्ठी एक वचन का रूप है
(A) मुनये
(B) मुने:
(C) मुनिम्
(D) मुनि:

79. ''अमृतसहोदरापि कटुविपाका: । विग्रहवत्यपि अप्रत्ययदर्शना । पुरुषोत्तमरतापि खलजनप्रिया'' इसमें अलङ्कार है
(A) उत्प्रेक्षा
(B) विरोधाभास
(C) अपह्नुति
(D) व्याजस्तुति

80. ''कान्ता विरहगुरुणा'' इस समस्त पद में कितने पदों का समास हुआ है ?
(A) चार
(B) तीन
(C) दो
(D) एक

81. ''अपरीणामोपशमो दारुणो लक्ष्मीमद:'' शुकनासोपदेश में किसका कथन है ?
(A) तारापीड
(B) शुकनास
(C) चन्द्रापीड
(D) लक्ष्मी

82. शिवराजविजय में वर्णन है

(A) भगवान शिव का

(B) शिवाजी महाराज का

(C) व्यास का

(D) विजयकुमार का

83. पैंतालीस का संस्कृत शब्द होगा

(A) पञ्चालीस:

(B) पञ्चचत्वारिंशति:

(C) पञ्चचत्वारिंशिती

(D) पञ्चचत्वारिंशत्

84. ''न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत्'' यहां प्रतिनिविष्ट पद का अभिप्राय है

(A) दुराग्रह विशेष से ग्रस्त

(B) ज्ञान विशेष से युक्त

(C) अज्ञानान्धकार से युक्त

(D) वैदज्ञान विशेष से युक्त

85. ''त्वं जीवितं त्वमसि मे हृदयं द्वितीयम्'' इस पंक्ति में अलङ्कार है

(A) उपमा

(B) सन्देह

(C) उत्प्रेक्षा

(D) अतिशयोक्ति एवं रूपक

86. इदम् (स्त्रीलिङ्ग) शब्द के सप्तमी विभक्ति, एकवचन में रूप बनता है

(A) अस्या:

(B) अस्याम्

(C) अस्यै

(D) अनयो:

87. सर्व शब्दस्य पुल्लिङ्गे सप्तमी विभक्तौ एकवचने रूपं भवति

(A) सर्वेस्मिन (B) सर्वे

(C) सर्वस्याम् (D) सर्वस्मिन्

88. शिवराजविजय का प्रमुख रस है

(A) शृङ्गार (B) वीर

(C) रौद्र (D) करुण

89. किरातार्जुनीय के द्विषाम् पद पर सही व्याकरणात्मक टिप्पणी है

(A) द्विष् + क्विप्, षष्ठी बहुवचन

(B) द्विष् + घञ्, षष्ठी बहुवचन

(C) द्विष् + टाप्, षष्ठी बहुवचन

(D) द्विष् + टच् षष्ठी बहुवचन

90. ''पतिरोषधीनाम्'' इस पद का अभिप्राय है

(A) चन्द्र (B) सूर्य

(C) दुष्यन्त (D) कण्व

91. केवल समास का उदाहरण है

(A) भूतपूर्व (B) पूर्वभाव

(C) यथाशक्ति (D) पीताम्बर

92. ''तेजोद्वयस्य युगपद् व्यसनोदयाभ्यां लोको नियम्यत इवात्मदशान्तरेषु'' यह पंक्ति है

(A) मेघदूत की

(B) रघुवंश की

(C) उत्तररामचरित की

(D) अभिज्ञान शाकुन्तल की

93. ''शान्त:'' का सन्धि विच्छेद होगा

(A) शान् + त:

(B) शाम् + त:

(C) शा + अन्त:

(D) शाम् + अन्त:

94. ''राम विद्यालय जाना चाहता है'' इसका अनुवाद होगा

(A) रामः विद्यालयं गच्छन्निच्छति

(B) रामो विद्यालयं जिगमिषति

(C) रामेण विद्यालयः गच्छन्निच्छते

(D) रामो विद्यालयं गन्तुं याति

95. ''शक्यो वारयितुं जलेन हुतभुक्'' यहां हुतभुक् शब्द का अर्थ है

(A) हवनकर्ता

(B) अग्नि

(C) हविष्यभोक्ता देव

(D) हुतात्मा

96. ''रमया कोकिल दृश्यते'' इस वाक्य का कर्तृवाच्य में वाक्य बनेगा

(A) रमा कोकिलं पश्येत्

(B) रमा कोकिलं दृश्यते

(C) रमा कोकिलं पश्यति

(D) रमा कोकिलं द्रक्ष्यति

97. ''बालकः स्नानं करोति'' का वाच्य परिवर्तन करने से वाक्य बनेगा

(A) बालकः स्नानं क्रियते

(B) बालकेन स्नानं क्रियते

(C) बलकेन स्नानं कृतम्

(D) बालकः स्नाति

98. ''उपपौर्णमासम्'' पद में समास है

(A) अव्ययीभावसमास

(B) तत्पुरुष

(C) उपमानपूर्वपदकर्मधारय

(D) बहुव्रीहि

99. ''''अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः'' इस पंक्ति के रचयिता हैं

(A) भर्तृहरि (B) विष्णुशर्मा

(C) कल्हण (D) कालिदास

100. वह पद्य जो अभिज्ञान शाकुन्तल के श्लोक चतुष्टय के अन्तर्गत है

(A) विचिन्तयन्ती यमनन्यमानसा .....

(B) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि .....

(C) अधरं किमलय रागः कोमल .....

(D) यास्त्यद्य शकुन्तलेतिहृदयं .....

101. ''हितान्न यः संशृणते स किं प्रभुः'' इसमें ''हितात्'' पद में किस सूत्र से पञ्चमी विभक्ति है ?

(A) भीत्रार्थानां भयहेतु

(B) अपादाने पञ्चमी

(C) आख्यातोपयोगे

(D) वारणार्थानामीप्सितः

102. निम्नाङ्कित में से कालिदास की उक्ति जो नहीं है वह है

(A) हितं मनोहारि हि दुर्लभं वचः

(B) कामार्ता हि प्रकृति कृपणाश्चेतनाचेतनेषु

(C) अर्थो हि कन्या परकीय एव

(D) आपन्नार्तिप्रशमनफला सम्पदो ह्युत्तमानाम्

103. घण्टापथ नाम की टीका किस ग्रन्थ की है ?

(A) मेघदूत की

(B) किरातार्जुनीय की

(C) उत्तररामचरित की

(D) शिवराजविजय की

104. लभ् धातु आत्मनेपद के विधिलिङ्ग में मध्यम पुरुष, बहुवचन का रूप है

(A) लभेध्वम्
(B) लभध्वम्
(C) लभेत
(D) लभे:

105. ''आख्यातोपयोगे'' इस सूत्र से सिद्ध होता है

(A) मातुर्निलीयते कृष्ण:
(B) नटस्य गाथां श्रृणोति
(C) हिमवतो गङ्गा प्रभवति
(D) उपाध्यायादधीते

106. मातृ शब्द के पञ्चमी विभक्ति के एकवचन में रूप बनता है

(A) मातृस्य
(B) मातात:
(C) मातात्
(D) मातु:

107. ''अस्मद्'' शब्द का चतुर्थी एकवचन में रूप होगा

(A) आवाभ्याम्
(B) मह्यम्
(C) मत्
(D) अस्मभ्यम्

108. ''श्रियायुत्सक:'' में दो पद हैं

(A) श्री तथा आयुत्सक:
(B) श्रिय तथा आयुत्सक:
(C) श्रिया तथा युत्सक:
(D) श्रियै: तथा उत्सुक:

109. निम्नलिखित में से नीतिशतक का सूक्ति वाक्य है

(A) कर्मायत्तं फलं पुंसाम्
(B) बुद्धि: कर्मानुसारिणी
(C) नम: कर्मणे
(D) उपर्युक्त तीनों

110. ''रिक्तं सर्वो भवति हि लघु: पूर्णता गौरवाय'' यह सूक्ति उद्धृत है

(A) कादम्बरी से
(B) शुकनासोपदेश से
(C) मेघदूत से
(D) अभिज्ञान शाकुन्तल से

111. तीन का स्त्रीलिङ्ग में संस्कृत में अनुवाद होगा

(A) तिस्र:
(B) त्रीणि
(C) त्रया:
(D) त्रय:

112. ''परभृत विरुतम्'' इस पदसमुच्चय का अभिप्राय है

(A) काक-ध्वनि
(B) कोकिल-ध्वनि
(C) मधुर-ध्वनि
(D) चक्रवाक-ध्वनि

113. ''को नामोष्णोदकेन नवमालिकां सिञ्चति'' यह कथन है

(A) शकुन्तला का
(B) अनसूया का
(C) प्रियंवदा का
(D) कण्व शिष्य का

114. ''वामा: कुलस्याधय:'' इस पंक्ति में प्रयुक्त आधय: का अर्थ है

(A) मानसिक पीडा
(B) अधिक योग्य
(C) कुल वृद्धिकारक
(D) हितकारी

115. शुकनासोपदेश विहित है
(A) तारापीड के लिए
(B) चन्द्रापीड के लिए
(C) महाश्वेता के लिए
(D) शुकदेव के लिए

116. नृशब्द के प्रथमा विभक्ति में रूप होते हैं
(A) नरः – नरौ – नराः
(B) नृ – नरौ – नरः
(C) ना – नरौ – नराः
(D) ना – नरौ – नरः

117. "कवीनां कविषु वा कालिदासः श्रेष्ठः" किस सूत्र से बनता है ?
(A) आयुक्त कुशलाभ्यां चासेवायाम्
(B) यतश्च निर्धारणम्
(C) षष्ठी चानादरे
(D) यस्य भावेन भावलक्षणम्

118. कामदेव का पर्याय नहीं है
(A) पञ्चशर (B) हलायुध
(C) सत्यक (D) पुष्पधन्वा

119. "निगृह्यमाणा बटवः पदे पदे यजूंषि सामानि च यस्य शङ्कितः" यह पंक्ति किस कवि की कीर्ति को अभिव्यक्त करती हैं ?
(A) बाणभट्ट की (B) भारवि की
(C) भर्तृहरि की (D) भवभूति की

120. शिवोऽर्च्यः का सन्धि विच्छेद होगा
(A) शिवस् + अर्च्यः
(B) शिवः + अर्च्यः
(C) शिव + अर्च्यः
(D) शिवस् + र्च्यः

121. "चिन्ताजडं दर्शनम्" यहां चिन्तातुर स्वरूप किसका है ?
(A) काश्यप का
(B) गौतम का
(C) विश्वामित्र का
(D) शारद्वत का

122. "द्वैतवने वनेचरः" यहां प्रयुक्त वनेचर में समास है
(A) द्वन्द्व
(B) अलुक् सप्तमी तत्पुरुष
(C) बहुव्रीहि
(D) कर्मधारय

123. "शोकज्वालावलीढ़म्" इसमें अलङ्कार है
(A) रूपक (B) अतिशयोक्ति
(C) अप्रस्तुत प्रशंसा (D) निदर्शना

124. शिवराजविजय में निःश्वासों की संख्या है
(A) 3
(B) 4
(C) 7
(D) 12

125. कौन सा विशेषण सूर्य का नहीं है ?
(A) गुरुसेवन पटुः
(B) शोकः विमोकः कोकलोकस्य
(C) कुण्डलमाखण्डल दिशः
(D) अवलम्बोरोलम्बकदम्बस्य

SEAL

SEAL

3. प्रश्न-पुस्तिका में किसी विसंगति के अतिरिक्त, किसी भी स्थिति में अभ्यर्थी को कोई दूसरी प्रश्न-पुस्तिका नहीं दी जाएगी। अभ्यर्थी को प्रश्न-पुस्तिका को उपयोग में लाने और उत्तर-पत्रक को पूरित करने में सावधानी बरतनी चाहिए।

4. अभ्यर्थी को 125 प्रश्नों के उत्तर भरने हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। गलत उत्तर के लिए नकारात्मक अंक नहीं दिये जायेंगे।

5. उत्तर-पत्रक को भरने के पूर्व अभ्यर्थी उत्तर-पत्रक पर मुद्रित महत्वपूर्ण निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

6. अभ्यर्थी को दिए गए चार विकल्पों में से एक अति उपयुक्त विकल्प का चयन कर OMR शीट में उत्तर-पत्रक में दिए गए निर्देशानुसार भरना है।

7. किसी भी परिस्थिति में प्रश्न-पुस्तिका का कोई भी कागज अलग नहीं करना है।

8. अभ्यर्थी परीक्षा भवन में **प्रवेश पत्र** के अतिरिक्त सादा या लिखा कोई अन्य कागज नहीं लाएँगे। यदि कोई अभ्यर्थी कोई अतिरिक्त कागज, नोट, पुस्तक, कैलकुलेटर, स्लाइड रूल, मोबाइल फोन आदि अपने साथ परीक्षा भवन में रखे पाया जाता है, तो उसे अनुचित साधन प्रयोग के अन्तर्गत दण्डित किया जा सकता है।

9. सभी रफ कार्य को केवल प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर ही करना है।

10. केवल **काला** बॉल पेन उत्तर भरने के लिए प्रयोग करें।

3. No second question booklet shall be given to any candidate under any circumstances except any discrepancy in question booklet. The candidate should be careful in handling the question booklet and filling the answer sheet.

4. A candidate has to attempt 125 questions. All the questions are compulsory. There is no negative marking for wrong answer.

5. Before filling the answer sheet, the candidate should read carefully the important instructions given on answer sheet.

6. The candidate has to choose best suitable alternative out of the four alternatives given and mark on the OMR answer sheet according to the instructions given in the answer sheet.

7. In no case any paper from the question booklet should be separated.

8. The candidate shall not bring any loose paper, whether written or blank, except the **admit card**, inside the examination hall. If any candidate is found having any loose paper, notes, books, calculator, slide rule, mobile phone etc. with him/her in the examination hall, he/she will be liable to be punished for use of unfair means.

9. All rough work should be done inside the question booklet only.

10. Only use **black** ball pen for filling answers.

SEAL

SEAL